सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

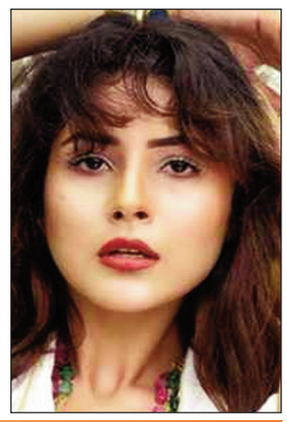

शरीफा का पर्यायवाची पेज: 7

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 123 | गुरुवार 06 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जेपी नड्डा ने असम के बाढ़ पीड़ितों को दिया भरोसा, संकट में केंद्र आपके साथ खड़ा है

असमः केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ असम के शिवसागर ज़िले में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के कामों के लिए हर जरूरी मदद देगी। नड्डा ने बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बिहुबोर नेपाली खुटी इलाके का दौरा किया, प्रभावित परिवारों से बातचीत की और हाल की बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने राज्य प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों और पुनर्वास गतिविधियों की भी समीक्षा की। वहां के लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से, मैं हिमंत बिस्वा सरमा और आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य को पूरी आर्थिक मदद दी जा रही है।

पीएम मोदी की बीजेपी सांसदों को जेनरेशन जेड मंत्र: युवाओं की सुनो, समझो और संसद में बिताओ समय

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 जनवरी, 2026 को अपने आवास पर भारतीय जनता पार्टी के 37 नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों और हाल ही में पार्टी में शामिल हुए सदस्यों के साथ नाश्ते पर एक बैठक की। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया और युवाओं से प्रभावी ढंग से जुड़ने के तरीकों पर जोर दिया। इस बैठक में वे सांसद भी शामिल थे जो हाल ही में आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों से बीजेपी में शामिल हुए थे। यह बैठक संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सांसदों के साथ प्रधानमंत्री की चल रही बातचीत का ही एक हिस्सा थी। राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने इस बैठक को शानदार बताया और कहा कि

प्रधानमंत्री ने दशकों की जनसेवा के अनुभव के आधार पर सलाह दी। साहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज सुबह नए चुने गए राज्यसभा सांसदों और हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए नेताओं के लिए नाश्ते का आयोजन किया। यह एक शानदार अनुभव था... उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन और अनुभव के आधार पर हमें बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया कि हमें संसद को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संसद का कामकाज सुचारू रूप से चलना चाहिए। उन्होंने सांसदों को यह भी प्रोत्साहित किया कि वे रोजाना कम से कम एक या दो घंटे संसद की लाइब्रेरी में बिताएं... साथ ही, उन्होंने

संसद के महत्व तथा युवा पीढ़ी से प्रभावी जुड़ाव पर.....

प्रधानमंत्री मोदी ने 31 जनवरी, 2026 को नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों और नए बीजेपी सदस्यों से मिलकर संसद के महत्व तथा युवा पीढ़ी से प्रभावी जुड़ाव पर गहन मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सांसदों को दैनिक रूप से संसद पुस्तकालय में समय बिताने

सांसदों से युवाओं के साथ जुड़ने और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 'सांसद खेल योजना' को सक्रिय रूप से लागू करने के लिए भी कहा। युवा पीढ़ी के साथ जुड़ाव बढ़ाने के मकसद से, बीजेपी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल ने 'जेनरेशन जेड' (आज की युवा पीढ़ी) से जुड़ने के लिए प्रधानमंत्री की सलाह साझा की कि मैंने पीएम से पूछा कि युवाओं से कैसे जुड़ा जाए। पीएम ने कहा, 'उनकी बात ध्यान से सुनें, उन्हें समझें और उनसे विनम्रता से बात करें।' यह एक बहुत अच्छी बैठक थी जिसमें हमें व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनीतिक मामलों पर मार्गदर्शन मिला। बीजेपी सांसद राहुल सिन्हा ने इस बातचीत के समावेशी स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं
कि हमारे पीएम ने हममें से हर एक की बात सुनी और महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। हाल ही में एएपी और टीएमसी से बीजेपी में शामिल हुए और वर्तमान में राज्यसभा सांसद के तौर पर काम कर रहे सांसदों ने भी आज प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस बैठक में नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया गठबंधन से जुड़े सांसद, एएपी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व नेता और बीजेपी के वरिष्ठ नेता (जिनमें तरुण चुघ, विनोद तावड़े और पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल थे) मौजूद थे। संसद सत्र के दौरान बीजेपी सांसदों के अलग-अलग समूहों से मिलने की प्रधानमंत्री की परंपरा का मकसद बातचीत और विचारों का आदान-प्रदान करना है।

छात्र विरोध पर राहुल गांधी का बड़ा बयान: माफी मांगने का दबाव बकवास, छात्र लोकतंत्र की आवाज हैं

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि युवाओं को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्होंने संविधान और भारत की सोच की रक्षा की है। गांधी ने नई दिल्ली में 10 जनपथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए ये बातें कहीं। उनकी यह टिप्पणी संसद में जारी हंगामे के बीच आई है, जहाँ विपक्ष के सदस्यों के लगातार विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी है। राहुल गांधी ने तर्क दिया कि देश की शिक्षा प्रणाली पर चिंता जताना कोई अपराध नहीं है; उन्होंने इसे एक दोषपूर्ण, ढहती हुई और बेकार प्रणाली बताया जिसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि

असल में, सिस्टम को बदलने की जरूरत है। इसे ठीक करने की जरूरत है। और वे बस यही मांग कर रहे थे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण थे और उन्होंने अधिकारियों पर उनके खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया कि वे हिंसक नहीं थे। वे आक्रामक नहीं थे। वे बदतमीजी नहीं कर रहे थे। उन्हें पीटा गया, उन पर हमला किया गया और उन्हें धमकाया गया। उन्होंने छात्रों पर सार्वजनिक माफी मांगने के लिए कथित तौर पर दबाव डालने की भी आलोचना की और इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह बकवास बताया। गांधी ने कहा कि पहले उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर करना, उनके घरों में गुंडे भेजना, महिलाओं के घरों में गुंडे भेजना, उनसे जबरन माफी मंगवाना, एक 15 वर्षीय लड़की से माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना–यह पूरी तरह बकवास है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। गांधी के साथ बात करते हुए, स्टूडेंट एक्टिविस्ट रिया अहीर झ जो हाल ही में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मुंबई पुलिस का सामना करने के बाद चर्चा में आई थीं ने दावा किया कि उन्होंने कई छात्रों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिए जाने से बचाया था।
साथ ही, उन्होंने मीडिया से इस घटना को दिखाए जाने के तरीके को बदलने की अपील भी की। मीडिया से अपनी बात कहने का तरीका और अपना नजरिया बदलने की अपील करते हुए, अहीर ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है।

मोदी सरकार का मास्टरस्ट्रोक: परिसीमन विधेयक के लिए बुलाएगी विशेष सत्र, ये है पूरा प्लान

नई दिल्ली एजेंसी: नरेंद्र मोदी सरकार ने 13 अगस्त को मौजूदा मॉनसून सत्र के खत्म होने के बाद, अपने महत्वाकांक्षी परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा करने के लिए संसद का दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की योजना बनाई है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि संसद का विशेष सत्र 16 से 18 अगस्त के बीच आयोजित होने की संभावना है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों का कहना है कि सरकार मौजूदा सत्र के दौरान ही इस विधेयक को फिर से पेश करने की इच्छुक है। जब सरकार के

पास विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी संख्याबल हो जाएगा, तो वह संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा करने और उसे पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। दो अहम बिलों पर चर्चा और उन्हें पास कराने से पहले, केंद्र सरकार संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और विपक्ष के साथ मुद्दों को सुलझाने की पूरी कोशिश कर रही है। आज इससे पहले, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ लगभग 50 मिनट तक बैठक की। यह बैठक संसद में चल रहे गतिरोध को खत्म करने की कोशिश के तौर पर की गई थी। बैठक के दौरान, रिजिजू ने अहम कानूनों–जिनमें प्रस्तावित परिसीमन बिल और विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA) में संशोधन शामिल हैं–पर राहुल गांधी की राय जानी, क्योंकि केंद्र सरकार इन लंबित मामलों पर कांग्रेस पार्टी का रुख समझना चाहती थी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने रिजिजू से कहा कि विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि इस बात पर जोर दे रहा है
कि वे संसद में उस मुद्दे पर बयान दें जिसकी वजह से गतिरोध पैदा हुआ है–यानी हाल ही में पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल।

संसद में कब बोलेंगे गृह मंत्री अमित शाह? विपक्ष के सवालों के बीच आ गई बड़ी खबर

नई दिल्ली एजेंसी: सरकारी सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बोलने की उम्मीद है, जब 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा और उसे पारित करने की प्रक्रिया होगी। यह तब हो रहा है जब विपक्ष सदन में उनकी गैर-मौजूदगी को लेकर आलोचना कर रहा है। संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने की कोशिश में, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और मॉनसून सत्र के बाकी समय में सदन के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस का सहयोग मांगा। कुछ राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद, संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर पिछले सत्र में पारित नहीं हो सके परिसीमन विधेयक और नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को दोबारा पेश किया जा सकता है। हालांकि, सरकार के सूत्रों ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कदम उठाने की योजना नहीं है। सूत्रों ने बताया

कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि 13 अगस्त को मानसून सत्र संपन्न होने से पहले इसी सत्र में परिसीमन विधेयक लाया जाएगा या नहीं। हालांकि, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए पेश किये जाने के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बोलने की संभावना है। विपक्ष सदन की कार्यवाही के दौरान शाह की अनुपस्थिति को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के दौरान संसद की कार्यवाही में बने गतिरोध को समाप्त करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब संसद के मानसून सत्र में अयोध्या स्थित राम मंदिर से कथित चढ़ावा चोरी और छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दों को लेकर लगातार गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से लोकसभा में अब तक एक भी दिन प्रश्नकाल नहीं हो सका है। हंगामे के बीच पांच विधेयक बिना चर्चा के पारित किए जा चुके हैं।

राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भूख हड़ताल पर बैठे शुभम रेवाड़ से वार्ता की मांग की

राजस्थान एजेंसी: राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को राज्य सरकार से छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ से तत्काल वार्ता शुरू करने की अपील की। गहलोत ने दावा किया कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती रेवाड़ ने अब पानी पीना भी छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने न तो रेवाड़ की भूख हड़ताल समाप्त करवाने का प्रयास किया और न ही छात्रों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। गहलोत ने कहा, राज्य के हजारों छात्र छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार अपनी जिद पर अड़ी हुई है। आखिर भाजपा सरकार किस बात से डर रही है? उन्होंने पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश का उदाहरण देते हुए

कहा कि वहां उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सितंबर 2026 तक सभी 15 सरकारी विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। गहलोत ने राजस्थान सरकार से भी इससे सीख लेते हुए तत्काल छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा करने की मांग की। उन्होंने सरकार के प्रतिनिधियों से बिना देर किए सवाई मानसिंह अस्पताल जाकर रेवाड़ से मिलने और उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराने की पहल करने की भी अपील की।

सुवेंदु अधिकारी की रेकी के पीछे पाकिस्तान जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े की बड़ी साजिश, एसटीएफ ने संदिग्ध से उगलवाए राज

नई दिल्ली एजेंसी: पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स की एक बड़ी साज़िश के तहत, जैश-ए-मोहम्मद के एक संदिग्ध ऑपरेटिव नेलकाता में पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के घर के आस-पास के इलाके की रेकी (निगरानी) की थी। ये बातें संदिग्ध ऑपरेटिव हमीम मंडल से पूछताछ के दौरान सामने आईं। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने उसे पिछले हफ़्ते पूर्वी बर्धमान से गिरफ़्तार किया था। उसके साथ उसके कथित साथियों अर्पिता सरकार और आदित्य सिन्हा से भी पूछताछ की गई। अधिकारी के अनुसार, मंडल को अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने, उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने और उनकी सुरक्षा में संभावित कमियों का पता लगाने का काम सौंपा गया था।आरोप है कि मंडल ने अधिकारी के कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और चिनार पार्क स्थित मुख्यमंत्री आवास की रेकी भी की। पूछताछ के शुरूआती दौर में, आरोपी

ने उस इलाके में जाने से इनकार कर दिया। हालांकि, मोबाइल टावर लोकेशन एनालिसिस समेत तकनीकी सबूतों से यह पक्का हो गया कि वह वहां मौजूद था। STF के सीनियर अधिकारी ने बताया, जब उसे सबूत दिखाए गए, तो उसने रेकी (निगरानी) करने की बात मान ली। जांच करने वाले यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या मंडल और उसके साथियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए राज्य सचिवालय, नबन्ना का सर्वे किया था। अधिकारी ने कहा हम नबन्ना के आसपास उनकी गतिविधियों की पुष्टि करने के लिए CCTV फुटेज और दूसरे तकनीकी सबूतों की जांच कर रहे हैं। हर सुराग की बारीकी से जांच की जा रही है और इस स्टेज पर किसी भी संभावना को खारिज नहीं किया जा रहा है। जांच करने वालों को शक है कि मंडल ने लंबे समय तक नजर रखने के लिए अधिकारी के घर के पास रहने की जगह किराए पर लेने की संभावना तलाशी थी, हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उसने या उसके साथियों ने कोई जगह किराए पर ली थी या नहीं। STF का आरोप है

गृह मंत्री चेहरा छिपा रहे हैं क्योंकि...: छात्रों पर कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी के अमित शाह पर बड़ा हमला

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मॉनसून सत्र के दौरान संसद नहीं आ रहे हैं क्योंकि वे छात्रों के खिलाफ गलत काम के दोषी हैं। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि देश के गृह मंत्री अपना चेहरा छिपा रहे हैं क्योंकि उन्होंने छात्रों के साथ गलत किया है। विपक्ष लगातार दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों पर की गई कथित कार्रवाई का मुद्दा उठा रहा है। यह कार्रवाई 20 जुलाई को 'कॉकरोच जनता पार्टी' द्वारा बुलाए गए 'संसद चलो' मार्च के दौरान दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुई थी। बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद, सदन में लगातार हंगामे के कारण इसे दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्ष की इस मांग को दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद में

बयान दें। खड़गे ने कहा कि हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह सदन में आएं। उन्हें अपना बयान देना चाहिए; हम चर्चा के लिए तैयार हैं। समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के मामले में संसद से बचने और 'चेहरा छिपाने' का आरोप लगाया है। विपक्ष 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए

आगे कहा कि सदन की कार्यवाही शुरू हुए कई दिन हो गए हैं। उन्हें आना चाहिए; सदन में न आकर वे संसद का अपमान कर रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर बल प्रयोग और पैलेट गन चलाने के मामले में पीएम और केंद्रीय गृह मंत्री शाह को जवाब देना चाहिए। हुसैन ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर जंतर-मंतर पर छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग और पैलेट गन चलाने के बारे में बयान देना चाहिए। उन्हें 'चंदा चोरी' यानी भगवान राम को चढ़ाए गए दान की चोरी के मुद्दे पर बयान देना चाहिए। उन्हें जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद प्रधानमंत्री के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादा किया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने 20 जुलाई को सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ 'पुलिस कार्रवाई', अयोध्या राम मंदिर दान में कथित हेराफेरी और अन्य मुद्दों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विरोध में प्रेरणा स्थल पर गांधी प्रतिमा से संसद के मकर द्वार तक

संपादकीय

जन्म-मृत्यु पंजीकरण

यह जरूरी है कि देश में जन्म व मृत्यु से जुड़े आंकड़े प्रामाणिक हों और समय रहते दर्ज कर लिए जाएं। इससे जनसंख्या गणना, मतदाता की विश्वसनीयता और अंततः विकास योजनाओं के लिये विश्वसनीय आंकड़े जुटा पाना संभव होता है। वहीं दूसरी ओर अवैध घुसपैठियों और विदेशी नागरिकों की पहचान भी संभव हो पाती है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि प्रक्रियागत बाधाएं बढ़ाने की बजाय, समय पर रिपोर्टिंग करने को सहज व सरल बनाया जाए। लोगों को इस बाबत जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने से अधिक नीतिगत मामलों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार का दावा है कि न्यायिक जांच से पंजीकरण में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगायी जा सकेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2023 संशोधनों के तहत कई सरकारी सेवाओं के लिये जन्म प्रमाण पत्र पहचान का मुख्य दस्तावेज बन गया है। हालांकि, इस बाबत दो साल की समय-सीमा चुनने के पीछे की वजह को तार्किक आधार पर नहीं बताया गया है। वहीं कई ऐसे वाजिब कारण हैं जिसके चलते पंजीकरण देर से होता है। उदाहरण के लिये लें तो दूरदराज के इलाकों में जन्म, पलायन और जागरूकता की कमी के कारण भी जन्म-मृत्यु के पंजीकरण में विलंब होता है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हिरोशिमा दिवसः तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और हिरोशिमा का सबक

दिलीप कुमार पाठक

इक्यासी साल पहले छह अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया था, वह सिर्फ एक शहर की तबाही नहीं थी। उसने चंद सेकेंड में लाखों लोगों को मार डाला और जो बचे, वे पीढ़ियों तक घिसट-घिसट कर मरने के लिए मजबूर हो गए। आज भी जब हम उस दिन की कल्पना करते हैं तो सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ी है। चारों तरफ बस लड़ाई-झगड़े और तनाव का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। उधर पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के बीच का झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा लगता है कि दुनिया के बड़े देश किसी भी दिन एक दूसरे पर परमाणु हमला कर देंगे। मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार बहुत पते की बात कही थी कि मैं यह तो नहीं जानता कि तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कथन आज की कड़वी सच्चाई है। इस पूरी बबार्दी के पीछे साफ तौर पर अमेरिका की दादागिरी दिखाई देती है। वह अपने फायदे के लिए यूक्रेन के बहाने रूस को घेरने की जिद पर अड़ा है। नाटो सेनाओं का विस्तार करके वह आग में घी डालने का काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया के मामले में भी अमेरिकी नीतियां और उसके हथियार शांति लाने के बजाय लड़ाई को और भड़का रहे हैं। आज दुनिया के नौ देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु बम मौजूद हैं। जरा सोचिए, जिस एक बम ने हिरोशिमा को श्मशान बना दिया था, आज के बम उससे हजारों गुना ज्यादा खतरनाक हैं। ऊपर से बड़े देशों के नेता जरा-जरा सी बात पर परमाणु हमले की धमकी देने लगते हैं। रूस के राष्ट्रपति कई बार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले का डर दिखा चुके हैं, जो साफ करता है कि इन महाशक्तियों का अहंकार कितना बढ़ चुका है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएनओ की भूमिका बिल्कुल बेकार साबित हुई है। इस संस्था को बनाया ही इसलिए गया था ताकि दुनिया में दोबारा कोई बड़ा युद्ध न हो। लेकिन आज यह बड़ी ताकतों के सामने बिल्कुल लाचार और बेबस दिखती है। शक्तिशाली देश इसके नियमों को अपने जूते की नोक पर रखते हैं और अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करके मनमानी करते हैं। यूएनओ न तो रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवा पाया और न ही पश्चिम एशिया में बेकसूर बच्चों और नागरिकों को मरने से बचा पा रहा है। गाजा में हजारों मासूमों की मौत पर भी यूएनओ कोई ठोस कदम नहीं उठा सका। अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों को डराने के लिए रह गए हैं, जबकि ताकतवर देश खुलेआम नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

जब पूरी दुनिया इस तरह आपस में लड़ रही है, तब भारत का नजरिया सबसे अलग और सही है। हमारे देश ने कभी किसी पर अपनी मर्जी थोपने या किसी की जमीन हड़पने की कोशिश नहीं की। भारत ने हमेशा दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का रास्ता दिखाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। भारत इसी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हमारे पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन हमारी नीति बिल्कुल साफ है कि हम अपनी तरफ से पहले कभी किसी पर हमला नहीं करेंगे। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है। भारत ने हमेशा अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी का विरोध किया है और एक ऐसी दुनिया की वकालत की है जहां सब बराबर हों।हिरोशिमा की त्रासदी झेलने वाले रो-रोकर दुनिया से यही कह रहे हैं कि जो उनके साथ हुआ वह दोबारा किसी के साथ न हो। हिरोशिमा दिवस सिर्फ एक पुराना किस्सा याद करने का दिन नहीं है। यह दुनिया के बड़े नेताओं को अपना अहंकार छोड़ने की चेतावनी देने का दिन है। हथियार और जंग कभी किसी मसले का हल नहीं हो सकते। नेताओं की सनक के चक्कर में आम जनता अपनी जान गंवाती है। ट्रम्प, पुतिन, शी जंपिंग जैसे नेताओं को समझना होगा सृष्टि निर्माण पुनः नहीं होगा, बस इसी को सहेजने की दरकार है।

(लेखक पत्रकार हैं)

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा।

उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है।

महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वतः बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है।

त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है।

हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी। फिर भी लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा सकती हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है, उनके लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर अतिरिक्त खर्च करना आसान नहीं होगा।

महंगाई का प्रभाव केवल भोजन या घरेलू सामान तक सीमित नहीं रहता। जब साबुन, डिटर्जेंट, खाद्य तेल, चाय, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन जैसी वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों को अपने खर्च की प्राथमिकताएं बदलनी पड़ती हैं। कई बार लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद तक सीमित हो जाते हैं और अन्य खर्च टाल देते हैं। इससे उपभोग के स्वरूप में बदलाव आता है और बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा महंगाई लक्ष्य चार प्रतिशत के आसपास रखा गया है ताकि आम लोगों की क्रय शक्ति पर अधिक दबाव न पड़े। लेकिन जब वैश्विक कारणों से ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मौसम की परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि मानसून सामान्य रहता है और कृषि उत्पादन अच्छा होता है तो खाद्य महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण संभव है। वहीं यदि मौसम प्रतिकूल रहता है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

त्योहारी मौसम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसी दौरान उपभोक्ता खर्च में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। व्यापारी, निमार्ता और सेवा क्षेत्र सभी इस अवधि पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। इसलिए कंपनियां भी कोशिश करती हैं कि मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू किया जाए ताकि ग्राहकों पर अचानक अधिक बोझ न पड़े। कई कंपनियां छोटे पैक, विशेष छूट और प्रचार योजनाओं के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो बढ़ती लागत और महंगाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक ओर कंपनियों को अपने उत्पादन और कारोबार को लाभकारी बनाए रखना होता है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता भी बनी रहनी चाहिए। यदि कीमतें अत्यधिक बढ़ती हैं तो मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि लंबे समय तक लागत का पूरा बोझ कंपनियां स्वयं उठाएं तो उनके लाभ और निवेश पर असर पड़ सकता है। इसलिए मूल्य निर्धारण में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होता है।

आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा कई कारकों पर निर्भर करेगी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया की स्थिति, मानसून का प्रदर्शन, परिवहन लागत और घरेलू मांग सभी इस पर प्रभाव डालेंगे। यदि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार होता है और कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं तो भविष्य में मूल्य वृद्धि की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं यदि लागत का दबाव लगातार बना रहता है तो रोजमर्रा के कई उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

त्योहारी उल्लास के बीच बढ़ती महंगाई निश्चित रूप से आम उपभोक्ताओं के लिए चुनौती लेकर आ सकती है। ऐसे समय में विवेकपूर्ण खर्च, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना और संतुलित आर्थिक योजना बनाना परिवारों के लिए उपयोगी होगा। साथ ही उद्योग, बाजार और नीति निमार्ताओं के बीच ऐसा संतुलन बनाना भी आवश्यक है जिससे उत्पादन लागत की वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी न बढ़े। यही संतुलन देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम नागरिकों के हित में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहेगा।

अनुच्छेद 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरूआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।

दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू-कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही वजह है कि आज पाकिस्तान के आरोपों से अधिक प्रभावशाली वह बदली हुई तस्वीर है, जिसे जम्मू-कश्मीर की धरती पर विकास, शांति और जनविश्वास के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।

अमरोहा
गुरुवार 06 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/बिजनौर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर मंथन, शत-प्रतिशत नामांकन का लिया संकल्प

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में बुधवार को विद्यालय प्रबंध समिति की मासिक बैठक समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह की अध्यक्षता एवं प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह के कुशल संचालन में संपन्न हुई। बैठक में विद्यालय की शैक्षिक प्रगति, छात्र उपस्थिति, नवीन नामांकन, निपुण भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन योजना, विद्यालय की स्वच्छता तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने विद्यालय की मासिक प्रगति से समिति के सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और अभिभावकों के सहयोग से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने सभी सदस्यों से विद्यालय क्षेत्र के 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बालक-बालिका का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराने तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए अभिभावकों को जागरूक करने का आह्वान किया। तथा उपस्थित सभी को शपथ भी कराई। बैठक में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। समिति के सदस्यों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास में पूर्ण सहयोग देने तथा समय-समय पर विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आश्वासन दिया। बैठक में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष अंजू, सदस्य छोटे सिंह, आशाराम, पवन कुमार, जसराम सिंह, रवि, दीपचंद, शीशपाल,राधा, सीमा, माया देवी, प्रेमवती, मिथलेश, नीरज, धर्मवती, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह, अमित कुमार, मनीष कुमार एवं अजय सागर सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ मार्गों और बैरियरों का किया निरीक्षण

सुरक्षा, यातायात और डायवर्जन व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिसकर्मियों को दिए जरूरी निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने जनपद के कांवड़ मार्गों एवं बैरियरों का स्थलीय निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने थाना रजबपुर, थाना गजरौला, थाना मंडी धनौरा एवं थाना नौगावां सादात क्षेत्र में पड़ने वाले कांवड़ मार्गों पर स्थापित बैरियरों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कांवड़ मार्ग पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ यात्रियों के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने, यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने बैरियरों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात डायवर्जन, पुलिस बल की तैनाती एवं आवश्यक संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध आवागमन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी धनौरा एवं क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

18 वर्षों से फरार 25,000 के इनामी अभियुक्त को डिडौली पुलिस ने किया गिरफ्तार

फर्जी आधार कार्ड के सहारे बदल ली थी पहचान, बिजनौर में रह रहा था अय्यूब रहमानी बनकर

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना डिडौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। डिडौली पुलिस ने 18 वर्षों से फरार चल रहे 25,000 के पुरस्कार घोषित मफरूर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी नगर डॉ. प्रदीप कुमार सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह बालियान के नेतृत्व में बुधवार को शांति व्यवस्था, संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने मफरूर अभियुक्त अय्यूब रब्बानी पुत्र अब्दुल हई निवासी ग्राम कनपुरा, थाना डिडौली को ग्राम कनपुरा के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान जांच में खुलासा हुआ कि अभियुक्त पिछले करीब 18 वर्षों से अपनी असली पहचान छिपाकर रह रहा था। वह जनपद बिजनौर के थाना नूरपुर क्षेत्र स्थित ग्राम जमालपुर किरत राजा ताजपुर में अय्यूब रहमानी पुत्र विलाल अहमद के नाम से रह रहा था।

पहचान छिपाने के लिए अभियुक्त ने फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखा था। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ डिडौली थाने में पहले से मुकदमा दर्ज है। इस संबंध में थाना डिडौली पर मु0 अ0 सं0 325/2026 धारा 318(4)/ 338/336 (3)/ 340 (2) बीएनएस पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ यात्रियों को वितरित किए हेलमेट

सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक, यातायात नियमों के पालन की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने थाना नौगावां सादात क्षेत्र में मोटरसाइकिल से हरिद्वार जल लेने जा रहे कांवड़ श्रद्धालुओं को हेलमेट वितरित किए। एसपी ने कांवड़ यात्रियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट का प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों का उल्लंघन न करें। पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग एवं स्टंटबाजी से बचें। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी दुर्घटनाओं से बचाकर आपकी यात्रा को सुरक्षित एवं सुखद बना सकती है। एसपी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण संवेदनशीलता एवं सतर्कता के साथ ड्यूटी का निर्वहन करें। अमरोहा पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए हैं। जनपद पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुरक्षा में निरंतर तत्पर है।

श्मशान भूमि की बदहाल व्यवस्था पर वरिष्ठ नागरिक सेवा निवृत्त कमेटी ने जताई चिंता, सुधार की उठाई मांग

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- वरिष्ठ नागरिक सेवा निवृत्त कमेटी, स्योहारा (बिजनौर) के नेतृत्व में नगर के समाजसेवियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुरादाबाद रोड स्थित श्मशान भूमि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्मशान घाट में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने पाया कि श्मशान भूमि में लगा एकमात्र पेयजल नल अक्सर कई-कई दिनों तक खराब रहता है, जिससे अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समिति ने वहां एक अतिरिक्त नल लगवाने तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। निरीक्षण के दौरान श्मशान घाट में चारों ओर गंदगी फैली मिली। रास्तों, अंतिम संस्कार वेदियों तथा बरामदों में सफाई व्यवस्था अत्यंत खराब पाई गई। समिति ने प्रतिदिन नियमित सफाई कराने और स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। साथ ही चारों अंतिम संस्कार वेदियां क्षतिग्रस्त होने पर उनकी शीघ्र मरम्मत कराने की भी मांग की गई। समिति का कहना है कि श्मशान भूमि के पास लगभग 21-22 बीघा भूमि, 32 दुकानें तथा समय-समय पर पेड़ों के कटान से होने वाली आय उपलब्ध होती है। इस आय का उपयोग श्मशान भूमि के विकास, सौंदर्यीकरण और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर किया जाना चाहिए। वरिष्ठ नागरिक सेवा निवृत्त कमेटी, स्योहारा ने शासन-प्रशासन, संबंधित विभागों तथा जनप्रतिनिधियों से श्मशान भूमि में नियमित सफाई, निर्माण कार्य, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

इस अवसर पर सुरेन्द्र सिंह त्यागी, विजेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह त्यागी, राजीव भंडारी, शशांक विश्नोई, पिंटू कुमार प्रजापति, सतीश कुमार प्रजापति, प्यारे लाल सैनी, दलवीर सैनी, राजीव वर्मा, शिवकुमार सिंह, सुनील कुमार शर्मा, प्रमोद कुमार, महेंद्र कुमार शर्मा, सोनू त्यागी, ज्ञान प्रकाश सिंह, रोहित कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सुरेन्द्र सिंह त्यागी, प्यारे लाल सैनी, महेंद्र कुमार शर्मा, शशांक विश्नोई, सतीश कुमार प्रजापति तथा ज्ञान प्रकाश सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्मशान भूमि की व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया थाना गजरौला का किया औचक निरीक्षण

अभिलेख, सीसीटीवी और हवालात का लिया जायजा, विवेचकों को दिए दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बुधवार को थाना गजरौला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन करते हुए मिशन शक्ति टीम, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, मैस, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, हवालात तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का जायजा लिया। एसपी ने अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा थाना परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का परीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महिलाओं की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता से हो। पुलिस अधीक्षक ने महिला हेल्प डेस्क एवं मिशन शक्ति टीम की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं की शिकायतों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के उपरांत एसपी ने विवेचकों का अर्दली कक्ष आयोजित किया। इसमें लंबित एवं महत्वपूर्ण विवेचनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध विवेचना, साक्ष्यों के वैज्ञानिक संकलन, अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई तथा समय से आरोप पत्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विवेचना निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप संपादित की जाए तथा पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। एसपी ने थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिसकर्मियों को जनसुनवाई को प्राथमिकता देने, फरियादियों के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिव भक्तों की सेवा में रामलीला बाग में भंडारा शुरू

दोपहर बाद से देर रात तक चलता है भंडारा, उमड़ने लगा है कांवड़ियों का हज्जूम

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सावन की कांवड़ यात्रा शुरू होने के पांचवे दिन शिवभक्त कांवड़ियों के जत्थों का रैला नगीना की ओर से निकलना शुरू हो गया है।पुलिस प्रशासन व समाजसेवियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सेवा शिविरों में रात में भी उत्सव जैसा माहौल दिखाई दे रहा है।कांवड़ियों के बम बम भोले के गगनभेदी उद्घोषों के चलते पूरा वातावरण शिवमय दिखाई दे रहा। सड़कों पर चलते स्कूली बच्चे भी भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए दिखाई दिए। नगीना -धामपुर रोड स्थित रामलीला बाग स्थित प्राचीन सिद्धपीठ मां दुर्गा व काली मंदिर के विशाल परिसर में सबसे अधिक कांवड़िए हर वर्ष विश्राम करते हैं और स्नान ध्यान आदि की दिनचर्या से निवृत हो रहे हैं। यहाँ नगर के समाजसेवी लोगों द्वारा कांवड़ियों के भोजन वी सूक्ष्म जलपान के लिए भंडारे भी चलाए जा रहे हैं।जिसके चलतें नगर के राशन डीलर सतीश मल्होत्रा उर्फ शेरू ने मंगलवार से रामलीला बाग में भंडारा शुरू करा दिया है। जो हर वर्ष की तरह कांवड़ यात्रा सम्पन्न होने तक यह भंडारा प्रतिदिन दोपहर बाद से देर रात तक चलेगा। पहले दिन भंडारा देर रात तक चलता रहा। तमाम स्वयंसेवक शिवभक्त कांवड़ियों को भोजन कराते रहे। नगर के प्रसिद्ध किराना व्यापारी एवं भाजपा के पूर्व नगर महामंत्री अभिषेक अग्रवाल भी कांवड़ियों के लिए सूक्ष्म जलपान सेवा आज मध्यरात्रि के बाद से शुरू हो जाएगी और प्रतिदिन रात ढाई बजे से सुबह तक कांवड़ियों को गर्मागर्म चाय व नाश्ता का वितरण किया जाएगा।चाय सेवा भी कांवड़ यात्रा सम्पन्न होने तक चलेगी।

भारतीय किसान यूनियन (अ) ने किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष शंकर सिंह यादव के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी चन्दौसी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में राजस्व, कृषि, विद्युत, राशन वितरण, ग्रामीण विकास एवं मंडी व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि तहसील क्षेत्र के अधिकांश गांवों में वर्षों से नामांतरण और विरासत के मामले लंबित पड़े हैं, जिससे किसानों को फार्मर रजिस्ट्री सहित अन्य कार्यों में परेशानी हो रही है। संगठन ने ग्राम पंचायत स्तर पर रोस्टर जारी कर खतौनियों का वाचन कराने और भूमि विवादों का मौके पर ही निस्तारण कराने की मांग की। भाकियू ने राजस्व ग्राम किरारी में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान हुए नामांतरण एवं विरासत को मान्यता देने, उर्वरक दुकानों पर यूरिया की कालाबाजारी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली पर रोक लगाने तथा आधार कार्ड के आधार पर यूरिया उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। साथ ही अमोनियम सल्फेट की भ्रामक बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ मामलों में राजनीतिक रंजिश के चलते किसानों पर अवैध कब्जे और जुमार्ने के फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिन्हें वापस लिया जाना चाहिए। इसके अलावा चन्दौसी डिवीजन के पंवासा उपखंड में बिजली आपूर्ति, बिलों की विसंगतियों के निस्तारण तथा अधिकारियों के व्यवहार को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई।

किसान संगठन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन की कटौती और घटतौली, ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव एवं गंदगी, पशुओं में फैल रही बीमारियों तथा कृषि उत्पादन मंडी समितियों चन्दौसी और बहजोई में पेयजल, शौचालय, टीन शेड, गोदाम जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का भी मुद्दा उठाया। मंडियों में जलभराव, छुट्टा पशुओं की समस्या और सरकारी राजस्व की कथित अनियमितताओं की जांच कर कार्रवाई की मांग भी की गई।

भारतीय किसान यूनियन ने प्रशासन से किसानों की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

प्रेस क्लब स्योहारा ने संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

बिजनौर (सब का सपना):- प्रेस क्लब स्योहारा के संरक्षक एवं प्रख्यात समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार वर्मा का जन्मदिन मंगलवार देर शाम स्टेशन रोड स्थित वर्मा मैटरनिटी एंड नर्सिंग होम में केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉ. वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक शमीम, महामंत्री नजम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद आलम, रोहित रस्तोगी, इमरान मंसूरी, प्रशांत रस्तोगी, सर्वेंद्र रस्तोगी, मोहम्मद फैजान सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने केक काटकर जन्मदिन का उत्सव मनाया और आपसी सौहार्द व सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि प्रेस क्लब स्योहारा परिवार द्वारा दिए गए इस सम्मान और स्नेह के लिए मैं सभी साथियों का हृदय से आभारी हूं। पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है

और समाजहित में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी का स्नेह मेरे लिए अमूल्य है। मैं भविष्य में भी सामाजिक सेवा और जनहित के कार्यों में इसी समर्पण के साथ योगदान देता रहूंगा। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल
अमरोहा
गुरुवार 06 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

आरसेटी परिसर के विकास को मिली नई रफ्तार, आवंटित भूमि का कराया गया समतलीकरण

निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता के निर्देशन में हटाई गई झाड़ियां व घास-फूस, विकास कार्यों के लिए तैयार हुई भूमि

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित केनरा बैंक आरसेटी परिसर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता के निर्देशन में आरसेटी को आवंटित भूमि का समतलीकरण कराया गया। लंबे समय से भूमि पर घास-फूस, झाड़ियां एवं अवांछित वनस्पति उग आने के कारण उसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा था। निदेशक के निर्देश पर भूमि की जुताई कराकर पूरे क्षेत्र से झाड़ियां और घास-फूस हटाई गई तथा भूमि का समतलीकरण कराया गया। इस कार्य के पूरा होने से परिसर की भूमि अब स्वच्छ, समतल एवं विभिन्न प्रशिक्षण, निर्माण तथा अन्य विकासात्मक गतिविधियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त हो गई है। निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने कहा कि आरसेटी परिसर के समग्र विकास एवं उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए भविष्य में भी आवश्यक विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे, जिससे संस्थान की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अवसर पर सुजीत सिंह, विकास बाबू, वीरेश (एलडीएम कार्यालय) सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

बहजोई में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र बना ॐ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

बहजोई/संभल:- जनपद के बहजोई स्थित ॐ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल में आईसीयू, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, सर्जरी, हड्डी रोग, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक और सीटी स्कैन सहित विभिन्न चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। अस्पताल आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध है, जिसके माध्यम से पात्र लाभार्थियों को प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस एवं निशुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार यहां सरकारी योजना के साथ-साथ विभिन्न बीमा (TPA) और कैशलेस उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है। अस्पताल में डॉ. सजल वार्ष्णेय (बाल रोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ) तथा डॉ. स्वाति गुप्ता (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अस्पताल का दावा है कि यहां 247 आपातकालीन सेवाएं, अनुभवी चिकित्सकों की टीम और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के माध्यम से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन ने आमजन से अपील की है

कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभार्थी योजना का लाभ उठाकर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करें। अस्पताल का हेल्पलाइन नंबर 7302092910 जारी किया गया है। अस्पताल का पता ग्राम अचलपुर, गंगा एक्सप्रेस-वे के निकट, चंदौसी रोड, बहजोई (संभल) है।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सपा कार्यकताओं ने लिया 2027 की जीत का संकल्प

बहजोई/संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार बुधवार को संभल जिला सपा कैंप कार्यालय बहजोई पर समाजवादी चिंतक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र (छोटे लोहिया) की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं, बूथ कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनेश्वर मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि जनेश्वर मिश्र सादगी, ईमानदारी और संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने हमेशा गरीबों, पिछड़ों और दलितों की आवाज बुलंद की तथा डॉ. राममनोहर लोहिया के समाजवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र का जीवन आज भी समाजवादी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि राजनीति सेवा का माध्यम है, स्वार्थ का नहीं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों का प्रचार करें और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुट जाएं। उन्होंने मासिक बैठक में नए मतदाता बनवाने, प्रत्येक विधानसभा की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा पीडीए को मजबूत करने पर भी जोर दिया, ताकि समाजवादी पार्टी को मजबूती मिले और अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जा सके। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने अपना पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने में समर्पित किया। उन्होंने कार्यकताओं से उनके बताए मार्ग पर चलने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विमलेश कुमारी ने भी कार्यकताओं से समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने की अपील की। इस दौरान बदायूं के दवथरा गांव से वृंदावन तक दंडवत यात्रा कर रहे अमन यादव का भी पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने बहजोई पहुंचने पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। अमन यादव ने बताया कि वह वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनने की कामना के साथ यह दंडवत यात्रा कर रहे हैं। उनके साथ नितिन यादव, पुष्पेंद्र और शिवम यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में धर्मवीर सिंह यादव, शोभित कुमार, काका, सद्दाम कुरैशी, चेतन गुप्ता, शिवम यादव, मनीष यादव, अंश बरनवाल, प्रतीक, राम सिंह यादव, खुशीराम यादव, रवि शंखधर, तरुण गुप्ता, शेर मोहम्मद अल्वी, रनवीर सिंह, सादिल अल्वी, अनीश अली, मोहम्मद शहबाज, शाहिद अल्वी, तस्लीम, मुजाहिद खान, प्रधान रियासत हुसैन, एसपी बिलाल, फराज, रोहतास यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र में सुलझे तीन पारिवारिक विवाद, बिछड़े दंपतियों का हुआ पुनर्मिलन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक मंगलवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। इस दौरान पति-पत्नी के बीच उत्पन्न वैवाहिक विवादों का काउंसलरों के सहयोग से आपसी सुलह-समझौते के आधार पर समाधान कराने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 16 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 3 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण करते हुए

बिछड़े हुए तीन परिवारों को पुनः एक साथ मिलाया गया। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव को 2027 में मुख्यमंत्री बनाने की कामना लेकर दंडवत यात्रा पर निकला युवक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने की कामना लेकर एक युवक ने अनोखी दंडवत यात्रा शुरू की है। बदायूं जनपद के बिसौली तहसील अंतर्गत गांव दवथरा निवासी अमन यादव पुत्र श्योराज सिंह 27 जुलाई से बांके बिहारी मंदिर, वृंदावन तक दंडवत करते हुए यात्रा कर रहे हैं। बुधवार को यह दंडवत यात्रा संभल जनपद के बहजोई पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया और अमन यादव के जज्बे की सराहना की। अमन यादव ने बताया कि उन्होंने यह यात्रा समाजवादी पार्टी की सफलता और अखिलेश यादव के वर्ष 2027 में मुख्यमंत्री बनने की कामना के साथ शुरू की है। उनका कहना है कि यह कठिन यात्रा लगभग दो माह में पूर्ण होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें कई स्थानों पर लोगों का सहयोग और आशीर्वाद मिल रहा है, जिससे उनका उत्साह लगातार बढ़ रहा है। अमन यादव के साथ नितिन, पुष्पेंद्र कुमार और शिवम भी यात्रा में सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य समर्थक भी अलग-अलग स्थानों पर आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग दे रहे हैं।

कड़ी धूप, बारिश और लंबी दूरी जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद अमन यादव पूरी श्रद्धा और संकल्प के साथ अपनी दंडवत यात्रा जारी रखे हुए हैं। बहजोई पहुंचने पर इस अनोखी यात्रा को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई और कई लोगों ने उनके साहस व दृढ़ निश्चय की प्रशंसा की।

ट्रैफिक पुलिस का सख्त अभियान, तीन बुलेट बाइक के पटाखा साइलेंसर हटवाए

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित इस्लामनगर चौराहे पर बुधवार को यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित कराने के लिए विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिलों पर विशेष निगरानी रखी। उप निरीक्षक (यातायात) सुरेश कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान तीन बुलेट मोटरसाइकिलों में लगे पटाखे जैसी तेज आवाज करने वाले अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर मौके पर ही खुलवाए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे साइलेंसर न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि ध्वनि प्रदूषण फैलाने के साथ आम लोगों के लिए परेशानी का कारण भी बनते हैं। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, बिना लाइसेंस वाहन न चलाने तथा अन्य यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस ने लोगों को बताया कि हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज करना कानूनन गलत है और ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और नियमों का पालन कर स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

बाल श्रम के खिलाफ चला अभियान, चार नाबालिग बच्चों का कराया गया रेस्क्यू

बहजोई/संभल (सब का सपना):- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में जनपद संभल में संचालित अखिल भारतीय बाल बचाव एवं पुनर्वास, किशोर श्रम उन्मूलन, बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बुधवार को चन्दौसी क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (AHT) टीम और श्रम विभाग की संयुक्त टीम ने चन्दौसी के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, चौराहों और विभिन्न प्रतिष्ठानों पर सघन जांच की। अभियान के दौरान थाना एएचटी प्रभारी निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा, हेड कांस्टेबल विवेक बालियान, कांस्टेबल धर्मराज चौधरी, महिला कांस्टेबल शालिनी, चालक कांस्टेबल मयंक तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी मो. आमिल खान की टीम ने 15 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चार नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराकर रेस्क्यू किया गया और उनकी काउंसलिंग करते हुए उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई। अभियान के दौरान कोई भी बच्चा भिक्षावृत्ति करते हुए नहीं मिला। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को नाबालिग बच्चों से मजदूरी न कराने के लिए जागरूक करते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से श्रम कराना कानूनन अपराध है।

इसके साथ ही आमजन को बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों की रोकथाम के लिए जागरूक किया गया तथा आपातकालीन सहायता हेतु शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076 एवं 181 की जानकारी भी दी गई। पुलिस और श्रम विभाग ने ऐसे अभियानों को आगे भी लगातार जारी रखने की बात कही।

आयुष मिशन की समीक्षा में डीएम ने स्वास्थ सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय आयुष मिशन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित आयुष सेवाओं, स्वास्थ्य योजनाओं तथा आधारभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. अमरदीप सिंह नायक ने एजेंडा बिंदुवार प्रस्तुत करते हुए बताया कि जनपद में वर्तमान में 12 आयुर्वेदिक चिकित्सालय और 3 यूनानी चिकित्सालय संचालित हैं। उन्होंने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तथा योग वेलनेस सेंटर के संचालन एवं उनकी प्रगति की भी जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सकों की तैनाती, रिक्त पदों, स्टाफ एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की उपलब्धता, औषधियों की आपूर्ति, दवा वितरण व्यवस्था, पंचकर्म सेवाओं, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत लाभान्वित मरीजों तथा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगली समीक्षा बैठक में सभी अद्यतन एवं पूर्ण सूचनाओं के साथ उपस्थित हों, ताकि योजनाओं की प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्सालयों के लिए भूमि की उपलब्धता, बजट, आधारभूत सुविधाओं और विस्तार योजनाओं की भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान होम्योपैथी विभाग की कार्यप्रणाली, चिकित्सालयों के संचालन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विभागीय कार्यों में और अधिक प्रभावशीलता लाई जाए। बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. अमरदीप सिंह नायक, नोडल अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. अभिषेक सिंह, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. महेन्द्र पाल सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा को लेकर संभल पुलिस सक्रिय, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत बुधवार को जनपद संभल में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित बहू-बेटी सम्मेलन में भाग लेकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चौपाल का आयोजन कर प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए शासन और पुलिस विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों एवं धार्मिक स्थलों पर अभियान चलाकर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया। टीम ने पंपलेट वितरित करते हुए वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 सहित विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही मोबाइल के पैनिक बटन और इमरजेंसी कॉल फीचर का भी प्रदर्शन कर महिलाओं को आपात स्थिति में उसके उपयोग का तरीका समझाया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बढ़ापुर क्षेत्र में जंगली हाथी का आतंक, कई दिनों से फसलों को पहुंचा रहा नुकसान

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के बढ़ापुर क्षेत्र में एक जंगली हाथी पिछले कई दिनों से किसानों के खेतों में घूमकर फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है। हाथी की मौजूदगी से क्षेत्र के किसानों में दहशत और चिंता का माहौल बना हुआ है। मामला बढ़ापुर वन रेंज के छायली गांव के आसपास का है, जहां हाथी बार-बार खेतों में पहुंचकर खड़ी फसलों को रौंद रहा है। लगातार हो रहे नुकसान से परेशान किसानों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर वन क्षेत्राधिकारी रमेश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हाथी को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने का अभियान चलाया। वन विभाग की टीम लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन हाथी कुछ समय जंगल में रहने के बाद फिर खेतों की ओर लौट आता है। ग्रामीणों के अनुसार, हैरानी की बात यह है कि हाथी ने अब तक किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया है और न ही किसी ग्रामीण का पीछा किया है। इससे लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि संभवतः हाथी पहले कभी पालतू रहा होगा और उसे इंसानों के बीच रहने की आदत है। वन विभाग ने हाथी को खेतों से दूर रखने के लिए पारंपरिक उपाय भी अपनाए। मिर्च से भरी बोरी में धुआं कर हाथी को भगाने का प्रयास किया गया, लेकिन यह तरीका भी पूरी तरह सफल नहीं हो सका। फिलहाल वन विभाग की टीम हाथी की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और उसे सुरक्षित जंगल में भेजने के प्रयास जारी हैं। वहीं किसान अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और जल्द स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

ग्राम कुआँखेड़ा में जल जीवन मिशन पर उठे सवाल

डेढ़ साल से नहीं आई पानी की बूंद, ग्रामीणों में आक्रोश, शिवसेना जिलाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत कुआँखेड़ा में दम तोड़ती नजर आ रही है। गांव में करीब दो वर्ष पूर्व नमामि गंगे एवं जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा ओवरहेड पानी की टंकी का निर्माण कर पाइपलाइन बिछाई गई थी। शुरूआती दिनों में कुछ समय तक पानी की आपूर्ति हुई, लेकिन पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से ग्रामीणों के घरों के नलों में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित जूनियर इंजीनियर और विभागीय अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों की शिकायत पर शिवसेना जिलाध्यक्ष चौधरी संजय राणा अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे और जलापूर्ति परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओवरहेड टैंक परिसर की बदहाल स्थिति सामने आई। टंकी के चारों ओर घास और कंटीली झाड़ियां उगी मिलीं, जबकि देखभाल के लिए नियुक्त कर्मचारी ने परिसर को अपने कृषि यंत्र रखने का स्थान बना रखा था। वहीं सोलर पैनल, मोटर और अन्य उपकरण रखरखाव के अभाव में जंग लगने से खराब होने की कगार पर दिखाई दिए। ग्रामीणों ऊषा कौर, जमीर सिंह, सुखदयाल सिंह, आशीष, फतेह सिंह, कृष्णा रानी, मोनिका रानी, राजरानी, मुख्तियार सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुखदेव सिंह, सुबा सिंह, जसपाल सिंह, श्रवण कुमार, प्रभुजोत सिंह, सरजीत कौर, जसवंत सिंह, जीत सिंह, जोगिंदर सिंह, जगतार सिंह, गुरमीत सिंह, परगट सिंह, हरजीत सिंह और कुलवंत सिंह सहित अनेक लोगों ने बताया कि गांव में पेयजल का गंभीर संकट बना हुआ है। गांव में कोई इंडिया मार्का हैंडपंप भी उपलब्ध नहीं है और निजी बोरिंग करवाना आम ग्रामीण की आर्थिक क्षमता से बाहर है। ग्रामीणों के अनुसार निजी नलों से आने वाला पानी भी दूषित है। मजबूरी में लोग रात के समय पानी भरकर उसमें फिटकरी और चूना डालकर शुद्ध करने का प्रयास करते हैं और अगले दिन उसी पानी का उपयोग पीने के लिए करते हैं। निरीक्षण के बाद चौधरी संजय राणा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, लेकिन विभागीय लापरवाही और रखरखाव के अभाव में गांव के लोग आज भी पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तत्काल जलापूर्ति बहाल करने, खराब उपकरणों की मरम्मत कराने और दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। निरीक्षण के दौरान महेन्द्र सिंह सिरोही, मनवीर सिंह यादव, सरदार कुलदीप सिंह, सतीश सिंह, सत्यवीर सिंह सैनी, नरेंद्र सिंह, सरदार अमरीक सिंह, हरवीर सिंह, गुरमीत कौर, सरजीत कौर, राधिका देवी और विजयलक्ष्मी रावत सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

तेज बारिश से सिद्ध बाबा नीम खाल मंदिर परिसर में भरा पानी, श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में हुई परेशानी

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- लगातार हुई तेज बारिश के कारण थाना अफजलगढ़ क्षेत्र स्थित सिद्ध बाबा नीम खाल मंदिर परिसर में करीब दो फीट तक पानी भर गया। मंदिर में जलभराव होने से कांवड़ यात्रा के दौरान दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात से पहले मंदिर के पास स्थित नाले/जल निकासी मार्ग की समुचित सफाई नहीं कराई गई, जिसके चलते बारिश का पानी मंदिर परिसर में भर गया। जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को पानी के बीच होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ा और पूजा-अर्चना करने में कठिनाई हुई। श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि मंदिर परिसर से जल्द जल निकासी कराई जाए तथा भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गो सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने गोशाला का निरीक्षण कर गोवंशो के लिए परखी व्यवस्था, दिए जरूरी निर्देश

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- बुधवार को गो सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल मुरादाबाद ने अफजलगढ़ विकासखंड क्षेत्र के गांव अगवानपुर स्थित गोशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गोशाला में मौजूद गोवंश की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को गोवंश की देखभाल में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। वही गो सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने गोशाला परिसर का भ्रमण कर वहां साफ-सफाई, गोवंश के लिए चारा-पानी, रहने की व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से गोवंश की संख्या तथा उनके रखरखाव के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गोशालाओं में संरक्षित गोवंश की बेहतर देखभाल शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गोवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा गोशाला परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई कराने पर जोर दिया। साथ ही बीमार अथवा कमजोर गोवंश की समय से पहचान कर पशु चिकित्सकों से उपचार कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गोशाला की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों से भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने गोशाला में गोवंश के रखरखाव और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आयोग के सदस्य को जानकारी दी। उन्होंने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान बीडीओ मनबीर सिंह के अलावा संजीव लाल, रितेश टंडन, राहुल कुमार, हल्का लेखपाल राहुल, ग्राम पंचायत सचिव संजीव, पशु चिकित्सा अधिकारी एसपी सिंह तथा गोशाला संरक्षक एवं ग्राम प्रधान कैलाश चंद्र चौधरी मौजूद रहे।

अकूत मुनाफे की मानसिकता ने बढ़ाई मिलावट की बीमारी

खाद्य सुरक्षा कानून बना बेअसर, मिलावटखोरों पर नहीं हो रही सख्त कार्रवाई

बिजनौर (सब का सपना):- आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बन चुकी है। खाद्यान्न, पेय पदार्थ, खाद्य तेल, शहद और विशेष रूप से दूध में बड़े पैमाने पर मिलावट की जा रही है। हालांकि मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून लागू है, लेकिन प्रभावी कार्रवाई के अभाव में मिलावटखोरों के हौसले लगातार बुलंद हैं। विज्ञान ने दूध को संपूर्ण आहार और आयुर्वेद ने अमृत के समान माना है, लेकिन अधिक मुनाफा कमाने की लालसा में दूध में पानी के साथ-साथ हानिकारक रसायनों की मिलावट की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार मिलावटी दूध का लगातार सेवन लीवर, गुर्दे, आंखों और आंतों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें पाए जाने वाले खतरनाक तत्व और एंटीबायोटिक अवशेष कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकते हैं। बच्चों के शारीरिक विकास पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है और उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। दूध में मिलावट केवल दूध तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उससे बनने वाले सभी उत्पाद–दही, पनीर, घी, मक्खन, मिठाई और अन्य दुग्ध उत्पाद भी इसकी चपेट में आ जाते हैं। इससे आम जनता के स्वास्थ्य पर व्यापक खतरा मंडरा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हो रही मिलावट और पशुधन में लगातार आ रही कमी के कारण देश की श्वेत क्रांति भी प्रभावित हो रही है। दूध उत्पादक संस्थाओं से लेकर निजी विक्रेताओं तक, कई स्तरों पर मिलावट की शिकायतें सामने आती रहती हैं। नियमों के अनुसार दोषियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून के तहत कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ऐसी मिसालें कम ही देखने को मिलती हैं जो मिलावटखोरों के लिए सबक बन सकें। यही कारण है कि मिलावट का कारोबार लगातार फैलता जा रहा है। जरूरत इस बात की है कि सरकार, खाद्य सुरक्षा विभाग और सामाजिक संगठन मिलकर पूरे वर्ष व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं तथा मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। जब तक कानून का भय पैदा नहीं होगा और समाज में नैतिक जिम्मेदारी नहीं बढ़ेगी, तब तक मिलावट पर प्रभावी रोक लगाना संभव नहीं होगा।

अवकाश के बावजूद खुला मदरसा, रिक्शा पलटने से मासूम छात्रा की मौत, क्षेत्र में भारी आक्रोश

सहसपुर देहात/बिजनौर (सब का सपना):- स्कूलों और मदरसों में मंगलवार को घोषित अवकाश के बावजूद सहसपुर देहात स्थित एक मदरसे के खुलने का मामला सामने आया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मदरसा संचालक ने अवकाश संबंधी आदेश का पालन नहीं किया और बच्चों को पढ़ाई के लिए बुलाया। बताया जा रहा है कि आज दोपहर में छुट्टी के बाद बच्चे रिक्शे से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मेवा नवादा के पास अचानक रिक्शा पलट गया, जिससे कई बच्चे घायल हो गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई उमेमा नामक मासूम छात्रा ने उपचार के दौरान शाम को दम तोड़ दिया। मासूम की मौत की खबर फैलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि यदि अवकाश के आदेश का पालन किया गया होता तो यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था।

फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। यह भी जांच की जा रही है कि अवकाश के बावजूद मदरसा क्यों संचालित किया गया और हादसे के लिए जिम्मेदारी किसकी बनती है। यदि लापरवाही की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

21 दिन बाद गुलदार को पकड़ने के लिए लगा पिंजरा, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- पंचायत अजीमुल्लानगर के गांव खुशहालपुर मंढाईयो में पिछले करीब 21 दिनों से गुलदार की लगातार चहलकदमी से दहशत में रह रहे ग्रामीणों को मंगलवार को कुछ राहत मिली। ग्रामीणों की लगातार शिकायतों और मांग के बाद वन विभाग की टीम ने गांव के पास आम के बाग में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया। पिंजरा लगने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, हालांकि रात के समय ग्रामीण अभी भी सतर्कता बरत रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले करीब तीन सप्ताह से खुशहालपुर, अगवारपुर और मंढाईयो क्षेत्र में गुलदार कई बार दिखाई दे चुका है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। किसान खेतों पर जाने से बच रहे हैं, वहीं महिलाएं और बच्चे भी अकेले घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की थी। ग्रामीणों ने बताया कि 30 जुलाई को वन विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद एक अगस्त को ग्राम प्रधान कैलाश चंद्र ने वन विभाग को पत्र देकर पिंजरा लगाने की मांग की थी। प्रार्थना पत्र पर रोहित कुमार, सोनू सिंह, सूरज सिंह, राहुल सिंह, खचेडू सिंह समेत करीब एक दर्जन ग्रामीणों ने हस्ताक्षर किए थे। बताया गया कि सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे एक बार फिर गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। इसके बाद मंगलवार को वन विभाग की टीम गांव पहुंची और आम के बाग में पिंजरा स्थापित कर दिया। पिंजरा लगाए जाने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि पिंजरा लगने से गुलदार के पकड़े जाने की उम्मीद जगी है। हालांकि जब तक गुलदार पकड़ा नहीं जाता, तब तक ग्रामीणों की चिंता बनी रहेगी। ग्रामीण रात में समूह बनाकर सतर्कता बरत रहे हैं और बच्चों को अकेले घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। उधर इस सम्बन्ध में वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि खुशहालपुर मंढाईयो क्षेत्र में गुलदार की लगातार मूवमेंट की शिकायतें मिल रही थीं। टीम ने मौके पर पिंजरा लगा दिया है। क्षेत्र में रात्रि गश्त भी बढ़ाई गई है। ग्रामीणों से पिंजरे के आसपास भीड़ नहीं लगाने और सतर्क रहने की अपील की गई है।

अब ग्रामीणों की नजरें वन विभाग के पिंजरे पर टिकी हैं और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही गुलदार उसमें कैद होगा।

जमीन अधिग्रहण मामले में किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

10 गुना मुआवजा और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण की उठाई मांग

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- गोरखपुर शामली एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए अधिग्रहित की जा रही कृषि भूमि के उचित मुआवजे और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की मांग को लेकर बुधवार को बुढ़नपुर ब्लॉक क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने एसडीएम धामपुर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। किसानों ने स्पष्ट किया कि वे एक्सप्रेस-वे निर्माण का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनकी आजीविका का एकमात्र साधन कृषि भूमि है इसलिए उनके साथ न्याय किया जाना आवश्यक है। ग्राम गुरदासपुर, बहादुरपुर, सत्तो नगली, दिनदारपुर, दौलताबाद, मंदौरी, कृष्णा रामपुर, सुल्तानपुर सहित कई गांवों के किसानों ने ज्ञापन में मांग की कि अधिग्रहित भूमि का मुआवजा वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर कम से कम 10 गुना दिया जाए। साथ ही भूमि की पैमाइश, सीमांकन और जांच प्रत्येक किसान की मौजूदगी में कराई जाए तथा इसकी पूर्व सूचना लिखित रूप से उपलब्ध कराई जाए। किसानों ने यह भी मांग की कि अधिग्रहित होने वाली प्रत्येक खसरा संख्या का नक्शा और विवरण किसानों को उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार के विवाद या आपत्ति का निस्तारण मुआवजा तय करने से पहले किया जाए। मुआवजा भुगतान पूरी तरह पारदर्शी तरीके से हो और जिन किसानों की अधिकांश या पूरी कृषि भूमि अधिग्रहित हो रही है, उनके पुनर्वास एवं आजीविका के लिए विशेष योजना बनाई जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि जिन किसानों की भूमि एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर बच रही है, उनके खेतों तक सिंचाई की सुविधा बनाए रखने के लिए पाइपलाइन और आवश्यक अंडरपास की व्यवस्था कराई जाए, ताकि खेती प्रभावित न हो।

किसानों ने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर न्यायोचित निर्णय लेने की अपील की। उनका कहना था कि इससे प्रभावित किसानों का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत होगा। इस दौरान डॉ. अभयवीर सिंह ढाका, भूपेंद्र सिंह, तुलाराम सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, बालकरण सिंह, परम सिंह, राम अवतार सिंह, रघुवीर सिंह, महेंद्र सिंह, धर्मवीर सिंह, सोहन प्रकाश, पुष्पेंद्र कुमार, वीर सिंह, विनोद कुमार, देशराज सिंह, राजकुमार शर्मा, प्रभात कुमार, राजेंद्र सिंह, रेखा देवी, छाया देवी, सुनीता देवी सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

नजीबाबाद में कलश वंदन यात्रा का भव्य स्वागत, रविदास मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "समरसता संकल्प अभियान" के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा का नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भव्य स्वागत किया गया। वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली से पवित्र माटी युक्त कलश लेकर निकला रथ नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में पहुंचा। यात्रा के दौरान विभिन्न रविदास मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, आरती, ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ कलश का स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरे मार्ग पर भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर भाजपा के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा यात्रा में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। अभियान के सहसंयोजक डॉ. फूल सिंह चौधरी ने बताया कि कलश वंदन यात्रा का रथ जनपद बिजनौर में 45 दिनों तक भ्रमण करेगा।

इस दौरान जिले के विभिन्न गांवों में स्थित रविदास मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

बरहाना में गोली जैसी आवाज निकालने वाली बाइकों का आतंक, ग्रामीणों में दहशत

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- चौकी क्षेत्र के गांव बरहाना में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर गोली जैसी तेज आवाज निकालने वाली बाइकों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शाम ढलते ही कुछ युवक इन बाइकों को तेज रफ्तार से गांव की गलियों में दौड़ाते हैं और परचून की दुकानों के सामने जानबूझकर तेज धमाकेदार आवाज निकालते हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बाइक की रफ्तार इतनी अधिक होती है कि यदि अचानक कोई व्यक्ति या बच्चा सामने आ जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। उनका आरोप है कि इस संबंध में पुलिस को पहले ही बाइक चालकों के फोटो सहित जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते इन बाइकों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने और गांव में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

7 अगस्त को वाल्मीकि समाज देगा डीएम को ज्ञापन, सफाई कर्मियों की समस्याओं को लेकर होगा प्रदर्शन

नियमितीकरण, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने, वेतन वृद्धि और सफाई कर्मचारी आयोग के गठन समेत सात प्रमुख मांगें उठेंगी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा दर्जा प्राप्त मंत्री भगवत प्रसाद मखवाना के आह्वान पर वाल्मीकि समाज एवं नगर निकायों के सफाई कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 7 अगस्त को बिजनौर में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं निगरानी समिति के सदस्य मनोज वाल्मीकि ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर सरकार के नाम मांगपत्र सौंपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में स्थानीय निकायों में वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मचारियों का नियमितीकरण, ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर एक लाख स्थायी सफाई कर्मियों की भर्ती, आउटसोर्स कर्मचारियों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 20 हजार रुपये मासिक वेतन, आउटसोर्स सेवा निगम का गठन, समय पर वेतन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, वाल्मीकि समाज एवं अन्य वंचित जातियों को पृथक आरक्षण लागू करने, उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग का गठन तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति की 10 सीटों पर वाल्मीकि समाज को प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। मनोज वाल्मीकि ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल के विरोध या समर्थन का नहीं, बल्कि सफाई कर्मचारियों और वाल्मीकि समाज के अधिकारों एवं हितों की लड़ाई है। उन्होंने समाज के सभी लोगों, पदाधिकारियों और सफाई कर्मचारियों से 7 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में बिजनौर पहुंचकर ज्ञापन कार्यक्रम में भाग लेने और एकजुटता का परिचय देने की अपील की।

दिल्ली पुलिस का बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा अभियान, 2.61 लाख छात्रों को मिली सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग

नई दिल्ली: बच्चों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस ने जुलाई 2026 में व्यापक जागरूकता और सुरक्षा अभियान चलाया। पूरे महीने स्कूलों, पुलिस थानों और विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों और किशोरों को आत्मरक्षा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, बाल अधिकार और सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक किया गया. जुलाई महीने में आत्मरक्षा प्रशिक्षण अभियान के तहत दिल्ली पुलिस ने 690 स्थानों पर 2,61,530 स्कूली बच्चों को प्रशिक्षण दिया। इस अभियान में एसपीयूडब्ल्यूएसी और जिला परिवर्तन सेल का सहयोग रहा। बच्चों को किसी भी आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा करने और आत्मविश्वास के साथ परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। एसपीयूडब्ल्यूएसी डीसीपी नेहा यादव के नेतृत्व में नाजुक और निर्भीक कार्यक्रमों के तहत भी बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया गया। जुलाई में नाजुक के 132 कार्यक्रमों में 5,049 प्रतिभागी, जबकि निर्भीक के 113 कार्यक्रमों में 3,990 प्रतिभागी शामिल हुए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और किशोरों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों, सुरक्षा उपायों और संभावित खतरों के प्रति जागरूक करना रहा। 29 हजार से ज्यादा छात्रों ने देखी पुलिस की कार्यप्रणाली जुलाई में 15 जिलों के 90 पुलिस थानों और कार्यालयों का 29,556 विद्यार्थियों ने दौरा किया। पुलिस स्टेशन विजिट के दौरान बच्चों को पुलिस की कार्यप्रणाली, आपातकालीन सहायता और व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा को लेकर 52 हजार से ज्यादा बच्चों तक पहुंच 13 से 18 जुलाई के बीच स्कूलों और संस्थानों में साइबर जागरूकता के 137 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 52,124 प्रतिभागी शामिल हुए। इसी दौरान सामान्य जागरूकता से जुड़े 231 कार्यक्रमों के जरिए 64,410 लोगों तक सुरक्षा संबंधी संदेश पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा, बाल संरक्षण, पोस्टर मेकिंग, पाक्सो एक्ट, गुड टच-बैड टच, निबंध लेखन और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। ऑपरेशन मिलापः 588 नाबालिगों को परिवार से मिलाया लापता बच्चों को उनके परिवारों तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मिलाप के तहत जुलाई में दिल्ली के सभी 15 जिलों के अलावा रेलवे, मेट्रो और आईजीआई एयरपोर्ट क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान 588 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित तलाशा गया। सीएसईएएम मामलों में 160 एफआईआर दर्ज ऑनलाइन बाल यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार सामग्री (सीएसईएएम) के खिलाफ भी दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की।

महाविद्यालय में एचपीवी वैक्सीन व सर्वाइकल कैंसर जागरूकता पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के निदेर्शानुसार "आनंदी माँझएक जीवन बचाओ एवं कैंसर मुक्त भारत" अभियान के अंतर्गत बुधवार को श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय, शिकारपुर में एचपीवी वैक्सीन एवं सर्वाइकल कैंसर जागरूकता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की उपप्राचार्य एवं अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. पूर्णिमा सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में महिला स्वास्थ्य, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम तथा एचपीवी वैक्सीन के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रतियोगिता में बीसीए एवं बायोटेक विभाग के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों में खुशबू, क्षमा कुमारी, श्वेता शर्मा, मनीष सैनी, छवि चौधरी, भूमिका जैन, विजय कुमार, चेतना, राखी चौधरी, प्रतिभा एवं शिवानी सहित कई छात्र-छात्राओं ने अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक तैयार करना भी है। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन और सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ-साथ समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम हैं।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. पूर्णिमा सिंह ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी समाजोपयोगी एवं जनजागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करता रहेगा।

नगर पालिका चेयरमैन दीप्ति मित्तल को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद बुलंदशहर की चेयरमैन दीप्ति मित्तल के जन्मदिन के अवसर पर शुभचिंतकों ने उनके आवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर जनसेवा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शुभचिंतकों ने कहा कि श्रीमती मित्तल अपने सरल स्वभाव, कर्मठता और जनहित के कार्यों के कारण नगरवासियों के बीच लोकप्रिय हैं तथा उनके नेतृत्व में बुलंदशहर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

यूनेस्को प्रायोजित कला महोत्सव में आजाद पब्लिक स्कूल के चार छात्रों ने बढ़ाया देश का मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- आजाद पब्लिक स्कूल के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने यूनेस्को प्रायोजित "प्लेनेट ऑफ आर्ट 2026" प्रतियोगिता के अंतिम चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विद्यालय के छात्र सक्षम सिंह, दक्षा हरिद्वारी, निकुंज गौड एवं जुनेरा खान ने 50 से अधिक देशों के प्रतिभागियों के बीच अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनकी कलाकृतियों का चयन यूनेस्को की वार्षिक आर्ट पुस्तिका में प्रकाशन के लिए किया गया है। विद्यालय के चेयरमैन वासिक आजाद एवं प्रधानाचार्या शिल्पी सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया और

चोरी के कई मामलों में वांछित दो बदमाशो से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से घायल, तीन गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना चाँदपुर क्षेत्र में बुधवार सुबह मदरी नहर पुलिया के पास पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में चोरी की कई घटनाओं में वांछित दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके तीन साथियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, घायल अभियुक्तों की पहचान शशांक उर्फ रतन पटेल उर्फ गोलू निवासी श्याम खेड़ा थाना कल्याणपुर तथा छोटेलाल उर्फ छोटू कोरी उर्फ रविशंकर निवासी जरारा थाना बकेवर के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान शशांक के दाहिने पैर और छोटेलाल के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

वहीं मौके से भागने का प्रयास कर रहे शैलेन्द्र उर्फ दीपू ठोकिया, प्रियांशू कोरी उर्फ बजरंगी और लवकुश को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से तीन अवैध तमंचे (315 बोर), तीन जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी अभियुक्त जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के कई मुकदमों में वांछित थे। पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के आरोप में थाना चाँदपुर में एक नया मुकदमा भी दर्ज किया गया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है तथा गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।

25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, अवैध तमंचा व कई सामान बरामद

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना कल्यानपुर पुलिस ने बुधवार तड़के हुई मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, चौड़गराझजहानाबाद मार्ग से खजुहा रोड नहर के पास संदिग्ध वाहन की चेकिंग के दौरान बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में मोहम्मद फिरोज (42) पुत्र मोहम्मद अनीश, निवासी सालेपुर, थाना करारी, जनपद कौशाम्बी घायल हो गया और गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना कल्यानपुर के तीन तथा थाना औंग के एक मुकदमे समेत कई मामलों में वांछित था और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर तमंचा, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, एक अपाचे मोटरसाइकिल, बेहोश करने वाली दवा का एक पत्ता तथा पार्ले बिस्कुट के दो पैकेट बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध फतेहपुर सहित अन्य जनपदों में डेढ़ दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

उसके आपराधिक इतिहास का विस्तृत सत्यापन किया जा रहा है। वहीं थाना कल्यानपुर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त एसएचओ रामलाल वाल्मीकि की पत्नी का निधन, शोकसभा में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के नहटौर मार्ग स्थित ग्राम लालवाला निवासी एवं एसएचओ पद से सेवानिवृत्त रामलाल वाल्मीकि की पत्नी केशव देवी (68 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार रात्रि आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से परिवार सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे कोतवाली मार्ग स्थित माता काली श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के उपरांत परंपरा के अनुसार श्मशान घाट परिसर में शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। शवयात्रा एवं शोकसभा में राजेंद्र सोढ़ी, ताराचंद, प्रीतम सिंह, सूरज वाल्मीकि, विशाल पारछा, सर्वेश वाल्मीकि, संदीप वाल्मीकि, सभासद कपिल पवार, श्याम सिंह, अभिनव एडवोकेट, राजपाल सिंह, संजू बगड़ी, श्यामा सुंदर वाल्मीकि, तुलाराम, चमन कुमार, विनोद कुमार, प्रेम सिंह, राहुल देसाई, चिमला ढिंगिया, मोहन लाल, मनोज कुमार, नरेंद्र कुमार, अनिल वैद्य, नीतू कुमार सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। उन्होंने दिवंगत केशव देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस पर फायरिंग के बाद मुठभेड़, 5 अवैध पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस बरामद

पुलिस पर फायरिंग के बाद मुठभेड़, 5 अवैध पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। कांझावला के लाडपुर गांव में सोमवार देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई, जब दिल्ली पुलिस की एसटीएफ और हथियारों से लैस बदमाशों के बीच गोलियां चल गईं। रोहिणी जिला पुलिस की एसटीएफ टीम ने मुठभेड़ के बाद राहुल सहरावत उर्फ राहुल को दबोच लिया, जबकि उसका साथी राहुल डबास उर्फ रेड्स आरडीएक्स उर्फ बलराम पुलिस टीम पर फायरिंग करता हुआ मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के कब्जे से जिगाना और ग्लॉक समेत पांच अवैध पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस को देखते ही बरसने लगीं गोलियां

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ज्वाइंट सीपी नॉर्दर्न रेंज विजय सिंह ने बताया कि एसटीएफ टिम को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल डबास उर्फ आरडीएक्स उर्फ बलराम और राहुल सहरावत, दोनों कथित तौर पर नीरज बवाना और नवीन बाली गिरोह से जुड़े हैं और लाडपुर गांव स्थित आनंद वाटिका के पास किसी वारदात को अंजाम देने के लिए हथियारों के साथ जुटने वाले हैं। सूचना मिलते ही रोहिणी जिले के डीसीपी शशांक जायसवाल की निगरानी में इंस्पेक्टर अमित दहिया के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी। जैसे ही दोनों संदिग्ध पुलिस टीम के सामने आए, उन्होंने कथित तौर पर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने अपनी जान बचाने के लिए वाहन की आड़ ली और जवाबी कार्रवाई की। गोलियों की इस सनसनीखेज भिड़ंत में राहुल सहरावत को मौके से दबोच लिया गया, जबकि राहुल डबास फायरिंग करते हुए फरार हो गया।

एक गोली पुलिस की गाड़ी में, दो कार पर लगीं

मुठभेड़ के दौरान आरोपियों की ओर से चलाई गई एक गोली पुलिस टीम के वाहन में लगी, जबकि दो गोलियां मौके पर खड़ी कार में जा धंसीं। पुलिस ने आत्मरक्षा में सिर्फ एक राउंड फायर किया। राहत की बात यह रही कि मुठभेड़ में किसी पुलिसकर्मी या दोनों आरोपियों के कोई घायल नहीं है।

जिगाना से ग्लॉक तक हथियारों का जखीरा

पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने कुल 5 अवैध हथियार और 18 जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद हथियारों में

1 जिगाना पिस्टल, 1 ग्लॉक पिस्टल,1 .32 बोर पिस्टल, 2 देसी पिस्टल, 8 जिंदा 9 एमएम कारतूस, 10 जिंदा .30 बोर कारतूस बरामद हुआ।

एक पर 2, दूसरे पर 11 मुकदमे

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार राहुल सहरावत पहले से दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। वहीं मौके से फरार राहुल डबास उर्फ आरडीएक्स उर्फ बलराम के खिलाफ 11 आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

हत्या के प्रयास समेत धाराओं में एफआईआर

इस मामले में थाना कांझावला में एफआईआर नंबर 419/26 दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 221 और 132 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोहिणी जिला डीसीपी शशांक जायसवाल का कहना है कि संगठित अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नाखूनों का सौंदर्य बढ़ाने के तरीके

गुलाबी, दोषरहित नाखून किसी भी व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य की निशानी होते हैं। नाखून के रोग इनकी सुंदरता कम करने के साथ आपके स्वास्थ्य का राज भी खोल देते हैं। नाखूनों की कई बीमारियां होती हैं। अगर आप उन्हें सही समय पर पहचान लें और उनकी सही देखभाल करें तो वे दोबारा स्वस्थ और सुंदर हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी टिप्स अपनाकर आप आकर्षक और खूबसूरत नाखूनों की धनी हो सकती हैं–

स्वस्थ-सुंदर नाखून

- भोजन में पोषक तत्वों की कमी भी नाखूनों के कई बीमारियों का कारण होती है। अपनी डाइट में पोषक पदार्थो का सेवन करके नाखूनों की चमक लौटाई जा सकती है।
- मजबूत नाखून पाने के लिए दिन में 8-10 ग्लास पानी अवश्य पिएं।
- कैल्शियम की कमी नाखूनों के कई रोगों का कारण बनता है। इसलिए अपने भोजन में दूध और उससे बनी चीजें, यानी डेयरी प्रोडक्ट भी शामिल करें।
- सैलेड, फलों व उनके रस का सेवन करने पर पर्याप्त पोषक पदार्थो की आपूर्ति होती है।
- अगर आप शाकाहारी हैं तो ब्रॉक्ली व प्याज, अगर मांसाहारी हैं तो मछली खाएं। उनमें सिलिकॉन और सल्फर होता है जो नाखूनों के लिए फायदेमंद होता है।
- विटमिन बी के स्त्रोत खमीर व सोयाबीन नाखूनों के सफेद धब्बों और दरारों या धारियों को दूर करने में सहायक होते हैं, अत: उनका सेवन करें।
- गाजर के रस में कैल्शियम व फास्फोरस प्रचुर मात्रा में होता है, जो नाखूनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यकहोता है।
- हाथों और नाखूनों की रोज अच्छी तरह सफाई करने से उनमें फंसा मैल निकल जाता है और किसी भी प्रकार के बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने की संभावना नहीं रहती।
- रूखे, बेजान नाखूनों से परेशान होने के बजाय यदि आप उनकी सही और नियमित ढंग से देखभाल करेंगी तो कुछ ही दिनों में सुंदर नाखून आपके हाथों का सौंदर्य दोगुना कर देंगे।
- यदि नाखून अधिक कमजोर या बदरंग हो रहे हों तो तेज खुशबूदार लोशन के प्रयोग से बचें, क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में उपस्थित एल्कोहॉल नाखूनों को हानि पहुंचाता है।
- अगर नाखून बहुत अधिक कमजोर हों तो आप नेल हार्डनर का प्रयोग भी कर सकती हैं। नेल हार्डनर नाखूनों को सुरक्षा प्रदान करते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।
- ध्यान रखें, अधिक देर पानी में हाथ न डालें और हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सुखाकर क्रीम या मॉयस्चराइजर लगाएं और सोने से पहले नाखूनों पर क्यूटिकल ऑयल, क्यूटिकल क्रीम या बेबी ऑयल लगाएं।
- नाखून बहुत कडे हों तो नॉन एसीटोन नेल पेंट रिमूवर का प्रयोग करें, क्योंकि एसीटोन पॉलिश रिमूवर नाखूनों से नमी सोखकर उन्हें कडा बना देता है।
- नेल पेंट हटाने के बाद नाखूनों पर क्यूटिकल क्रीम या ऑलिव ऑयल से मालिश करें।
- नाखूनों को शेप देते समय ध्यान रखें कि वे सूखे हों।
- नाखूनों को दांत से न कांटे। ऐसा करने से उनके विकास की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और वे देखने में खराब भी लगते हैं।
- अगर अधिक लंबे नाखून न हों तो उन्हें काटने की जगह फाइलर से फाइल करना बेहतर है लेकिन कभी भी साइड से अधिक फाइल ना करें अन्यथा नाखून टूट सकते हैं।
- कई स्त्रियां यह सोचती हैं कि मेनीक्योर और पेडीक्योर को हर हफ्ते क्यों कराएं, लेकिन हफ्ते में एक बार ऐसा करने से नाखून सही शेप में रहते हैं और उनकी एक प्रकार से कंडीशनिंग भी हो जाती है। मेनीक्योर अथवा पेडीक्योर करवाते समय प्रयोग में लाए जाने वाले सामान स्टरलाइज्ड हों वरना बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का डर रहता है।
- हफ्ते में दो बार नाखूनों पर नेल स्ट्रेंथनर लगाएं। इसे आप नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर या बिना नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर भी लगा सकती हैं।
- सप्ताह में कम से कम एक बार नाखूनों पर गुनगुने ऑलिव ऑयल से हलके हाथों मसाज करें। ऐसा करने से पहले गुनगुने पानी में नीबू का रस डालें और हाथों को इसमें कुछ देर तक डुबोकर रखें। फिर मसाज करें।
- नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए नेल पेंट रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश अच्छे से साफ कर लें और नाखूनों को फाइल करके मनचाहा शेप दें।
- नेलपॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं, फिर नेल पेंट के दो कोट लगाकर टॉप कोट अप्लाई करें।
- लाइड शेड्स के नेल कलर सदाबहार होते हैं। इन्हें आप किसी भी अवसर और समय पर लगा सकती हैं।
- नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहती हैं तो लगाने के बाद नाखूनों को कुछ देर ठंडे पानी में डुबो दें या हेयर ड्रायर की कूल सेटिंग से सुखा लें। एक बात का और ध्यान रखें कि अगर नेलपॉलिश जल्दी सुखानी है तो सिर्फ एक कोट ही एप्लाई करें।
- रिमूवर का अधिक प्रयोग करने से बचें। अधिक इस्तेमाल करने से नाखूनों पर धब्बे पड जाते हैं।
- हमेशा अच्छी कंपनी की नेलपॉलिश का ही प्रयोग करें।
- कोई जरूरी नहीं है कि नाखूनों पर हरदम नेलपॉलिश लगी रहे। कभी-कभी उन्हें ऐसे ही छोड दें। बहुत मन हो तो ट्रांसपेरेंट नेलकलर लगाएं।

यूं निखर जाए रूप आपका

- अपनी त्वचा के अनुरूप ही मेकअप का इस्तेमाल करें।
- हमेशा चेहरा धोने के बाद टोनर लगाएं। इससे मेकअप अधिक देर तक टिकता है।
- फाउंडेशन लगाने से पहले गीली त्वचा पर ही हलका-सा मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि वह एकसार दिखे और चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो नजर आए।
- कभी भी क्रैश डाइटिंग न करें। इससे त्वचा की खूबसूरती नष्ट हो जाती है।
- खाने-पीने पर हमेशा नियंत्रण रखना जरूरी है, साथ ही थोडा-सा व्यायाम भी। इससे खूबसूरती बरकरार रहने के साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।
- तैलीय त्वचा में निखार लाने के लिए मलाई में नीबू का रस मिलाकर लगाएं। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाती है।
- रोज 6-7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सस्ती लिपस्टिक बिंदी कभी इस्तेमाल न करें, इससे एलर्जी की संभावना अधिक रहती है।
- सुबह खाली पेट एक सेब रोज खाने से त्वचा में निखार आता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।
- बालों के झडने और सफेद होने के कारण अकसर तनाव होता है, जिससे चेहरे की कांति नष्ट हो जाती है। इसके लिए खाने में पोषक तत्वों की मात्रा पर्याप्त रखें।
- सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद व नीबू का रस मिलाकर पिएं। इससे पेट साफरहता है।
- जहां तक संभव हो सके, सुबह की पहली धूप की किरणें शरीर को दें, जिससे विटमिन ए और डी की प्राप्ति शरीर को हो जाती है, स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।
- रात को सोने से पहले क्लींजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल निकल जाए।
- हाथों में क्लींजर डालकर हथेलियों को रगड कर झाग बना लें, फिर चेहरे पर मलें, इससे चेहरा जल्दी साफ हो जाता है।
- विटमिन ए, बी, सी, डी और ई त्वचा में निखार लाते हैं, इन्हें भोजन में शामिल करना न भूलें। किसी न किसी रूप में इनका प्रयोग जरूर करें।

मां तुम बदल जाओ

मेरी मां मुझे बात-बात पर टोकती है। कहीं भी जाओ उनसे पूछकर जाना पड़ता है। आखिर वे क्यों नहीं बदलतीं। अक्सर टीनएज लड़कियों के मुंह से अपनी मां को लेकर इस तरह की शिकायतें सुनने मे आ ही जाती हैं। हो सकता है कि आपका भी अपनी मां के साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठ पा रहा हो। पर अब ज्यादा परेशान न हों बस मनोचिकित्सकों और जाने-माने लेखकों की इन बातों पर गौर फरमाएं–

बदलने की कोशिश न करें : आपकी मां की कई ऐसी आदतें होंगी जिन्हें आप बदलना चाहती हैं। क्योंकि, वे आपको पसंद नहीं। बस यही तो आपकी भूल है। डॉटर एंड मदर पुस्तक की लेखिका और साइकोथैरेपिस्ट डोरेथी फिरमैन कहती हैं कि हम में से कई लोग अपनी मां को बदलने की कोशिश करते हैं। यह सोचकर कि इससे आपसी रिश्तों में सुधार होगा। पर शायद हम यह भूल जाते हैं कि हम उन्हें नहीं बदल सकते।

नियंत्रण अपना लें : जिन बातों को लेकर आपकी मां को आपकी चिंता होती है, आपको बंधन लगती हैं। जितना वे आपकी जिंदगी का हिस्सा बनने की कोशिश करती हैं उतना ही आप उन्हें खुद से दूर कर देती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे आपको हर बात पर टोकने लगती हैं। आप चाह कर भी उनसे दूर नहीं भाग सकतीं। अपनी जिंदगी मे उन्हें शामिल करें। उन्हें महत्त्व देकर आप उनका अपनी जिंदगी में नियंत्रण थोड़ा कम कर सकती हैं।

रजामंदी जरूरी : आपको लगता है कि हर बात पर मां की रजामंदी लेना क्या जरूरी है। अक्सर आपको इस बात पर झुंझलाहट भी होती होगी। पर ऐसे में आप अपनी मां का अनादर करने की बजाय बीच का रास्ता निकालें। उनके सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि आप बेहतर डिसीजन ले सकती हैं। अगर एक बार उनको तसल्ली हो जाएगी कि आप जो काम कर रही हैं वह सही है और आपने जो राह अपने लिए चुनी है वह भी सही है, तो हो सकता है कि वे आपका साथ दें।

तरीका बदलें : उनकी अगर यह आदत है कि उन्हें आपसे जुड़ी हर बात पर बोलना है, चाहे वे उसे समझ रही हैं या नहीं। तो भड़कें नहीं। इससे उनकी इस आदत को बढ़ावा ही मिलेगा। उनकी किसी बात का जवाब देने का तरीका बदलें। ऐसे तर्क उनके सामने रखें जिनसे उन्हें लगे कि उनका हर बात पर बोलना और राय देना ठीक नहीं है।

मां से प्यार करें : आपकी मां आए दिन आप पर गुस्सा करती हैं या फिर बड़बड़ाती रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आपने उन्हें अपने से दूर कर दिया है। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपके लिए आपकी मां अच्छा ही सोचेगी। उन्हें प्यार-सम्मान दें और यह मानकर चलें कि जो कुछ वे कह रही हैं या कर रही हैं उसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं है।

बीन्स विद पनीर

सामग्री: 175 ग्राम चवली (बीन्स), 200 ग्राम पनीर, 1 कप फ्रेंच बीन्स, गाजर, हरी प्याज, मटर, 1 छोटा प्याज, 1 टेबलस्पून टोमैटो केचअप, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून जीरा, सजाने के लिए हरी धनिया।

विधि: चवली को रातभर पानी में भिगोकर रखें। प्रेशर कुकर में पका लें। फ्रेंच बीन्स को थोड़ा-सा उबाल लें। एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें। प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, पकी हुई फ्रेंच बीन्स और चवली डालें। नमक व पनीर डालें। 1 टीस्पून टॉमैटो केचअप डालकर हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

किचन टिप्स

- कस्टर्ड बनाते वक्त चीनी के साथ अगर थोड़ा सा शहद डालें तो कस्टर्ड और भी स्वादिष्ट बनता है।
- पालक, मेथी जैसी हरी सब्जियों को अगर प्लास्टिक की थैली में अलग-अलग बांध कर रखा जाए तो खराब नहीं होती।
- नींबू को ज्यादा देर तक ताजा रखने के लिए नमक के बर्तन में डालकर रखें।
- ब्रेड बटर पेपर में लपेटकर रखने से ताजा रहती है।
- चावल पानी में उबालते समय एक तेज पत्ता डालने से खुश्बूदार बनते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3970

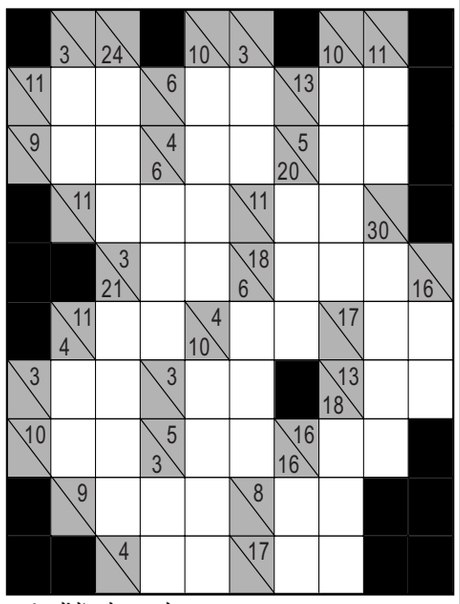

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3969 का हल

लॉफिंग जौन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा– 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला– नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

रमन– 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन– 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन– 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

फिल्म वर्ग पहेली - 3970

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3969

सूडोकु -3970

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3969 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3970

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3969 का हल

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'
करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'
करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।
मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थी। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।
महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'
महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।